अगस्त में शुरू हो जाएगा ग्रेटर नोएडा में पहला डाटा सेंटर

लखनऊ। प्रदेश में ग्रेटर नोएडा में 5000 करोड़ की लागत से बन रहा पहला डाटा सेंटर अगस्त में शुरू हो जाएगा। निवेश प्रस्तावों से यह भी साफ हो गया कि दुनिया की शीर्ष कंपनियां अपने डाटा को यूपी में ही स्टोर करना चाह रही हैं। आईटी सेक्टर में निवेश के लिए भी यूपी ही उनकी पहली पसंद बन रहा है।

योगी सरकार की डाटा सेंटर और आईटी सेक्टर की नीतियां निवेशकों को भा रही हैं। डाटा सेंटर व आईटी सेक्टर की नीतियों के कारण ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 80,024 करोड़

डाटा सेंटर और आईटी सेक्टर की नीतियों के कारण निवेशकों की बढ़ी यूपी में रुचि

के जो एमओयू साइन हुए हैं, उनमें सर्वाधिक 35% हिस्सा डाटा सेंटर और आईटी सेक्टर में ही आया है।

विश्लेषण से पता चलता है कि कुल निवेश का 25% डाटा सेंटर को मिला है। इस क्षेत्र में कुल 19,928 करोड़ रुपये के निवेश के साथ सात बड़ी परियोजनाएं हैं। आईटी सेक्टर को कुल निवेश का 10 प्रतिशत मिला है। अदाणी ग्रुप का दूसरा डाटा सेंटर नोएडा के सेक्टर 62 में है, जो जून 2024 तक चालू हो जाएगा। सरकार 250 मेगावाट डाटा सेंटर उद्योग विकसित किए जाने की मंशा से डाटा सेंटर नीति-2021 लाई थी। इसके जरिए प्रदेश में करीब 20 हजार करोड़ का निवेश और बड़ी संख्या में रोजगार भी मिलेगा। नोएडा पहले से ही देश के इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री का हब है। प्रगति की यही रफ्तार रही तो नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा भी दुनिया का दूसरा सिलिकॉन वैली (अमेरिका) जैसा होगा। ब्यूरो